रिकॉड: - यह कौन आज आया ... ओम शान्ति प्रातः क्लास 8-6-67

संगम युगी सिर्फ तुम ब्राहम्ण बच्चे जानते होकि हम थोडे समय के लिये इस पुरानी दुनियाँ के महमान है। तुम्हारा सच्चा घर है शान्ति धाम। उनको ही मनुष्य बहुत याद करते है। मन की शान्ति मिली परन्तु मन क्या है? शान्तिः क्या है, किनको मिली कहां मिली किसीको भी पता नही है। तुम जानते हो कि अभी अपने घर जाने लियबाकी थोडा समयहै: सारी दुनियां के मनुष्य मात्र नम्बरवार वहां जावेंगें। शान्तिः धाम सुख धाम। और यहदुःख धाम। यह याद करना तो सहज है नां। कोई भी बुढा हो वो जवान हो, यहतो याद कर सकते है नां। इसमे सभी सृष्टी का ज्ञानआ जाता है। सारी ड़िटेल बुधी मे आ जाती है। अभी तुम संगम युंग पर वैठे हो। यहबुधी मे रहता है। हम जा रहे है शान्तिः धाम। ड्रामाके प्लान अनुसार, यह बुधी मे रहने से तुमको खुशी रहगी। स्मृती रहगी। हमको अपने सारे 84ज[illegible] की स्मृती मिली है। वो भक्ति मांग अलग है। यह है ज्ञान मांग की वाते। बाप समझा रहेहै मीठे बच्चोअव अपना घर याद आता है। कितनी वाते सुनते रहते हो। ऐम यह है कि अभी हम शान्तिः धाम जावेंगें। फिर सुखधाम मे जावेंगें। बाप आया ही है पावन बना कर ले जाने। सुखधाम मे भी आत्मोय सुख ओर शान्तिमे रहती है। शान्तिधाम मे तो सिर्फ शान्तिः मे है। यहां पर तो बहुत हंगा[illegible] यहां से [illegible] घर मे तो बुधीः झारमुई-झंगमुई मे लग जावेगी, धन्धे धोडी आद [illegible]

तुम जानते हो कि हम आत्माये है [illegible] ही शान्ति धाम [illegible]

को यह पता नही है कि हम पोंटधारी है। तुम बच्चो को ही बाप आकर पढ़ाते है। कोटो मे कोउ पढ़ते है। सब तो नही पढ़ सकेंगें। तुम अभी कितेन समझदार बनते हो। पहले तो वेसमझ थे। भलकोई कितना भी बडा आदमी हो। सभी है वेसमझ। लडाई झगडा आद कितना है। उनको क्या कहेंगें? हम आपस मे भाई-2 है वो भूल गये है। भाई-2 का कव खून करते है क्या। हां खून करते भी है तो सिर्फ मिलकियत के लिये। अभी तुम तो समझते हो [illegible] हमअभी एक बाप के बच्चे भाई-2 है। तुम प्रेक्टीकल मे समझते हो। तुम आत्माओं को बाप [illegible] कर पढ़ाते है। 5000वर्ष पहले मुआफिक हमको [illegible] पढाते है। क्योंकि वो ज्ञानका सागर है। इस पढाई को ओर कोई भीजानते नही है। यहभी तुम बच्चे ही जानते हो बाप ही स्वर्ग का रचताहै। सृष्टी को रचने वाला नही है। सृष्टी तो अनादी ही है। स्वर्गका रचने वाला कहेंगें। वहां ओर कोई खण्ड था नही। यहां तो बहुत खण्ड है। कोई समय था जबकिएक ही धर्म एक ही खण्ड था। पीछे फिर बाराघटी धर्म आये है। अभी बुधी मे बैठा है कि बारायठी धर्म कैस आते है। पहला-2 आदि सनातन देवी देवता धर्म कैस कव आया, फिर कहां गया किसको भी यह पता नही है। सिर्फ इसी धर्म का ही किनको भी पता नही है। वास्तव मे है आदी सनातन देवी देवता धर्म। हिन्दु कोईधर्म नही। हम कोई हिन्दु धर्म के नही थे। भारतवासी कोई हिन्दु धर्म के नही थे। तुम अभी समझते हो कि हम आदि सनातन देवी देवता धर्म के है। सनातन धर्म भी सभी यहां है। परन्तु अर्थ तो कुछ समझते नही है। तुम सभी आदि सनातन देवी देवता धर्म के अभी भी हो। परन्तु भूल जाने कारण हिन्दु कहलाते आये थे। अभी तुम हो संगम युगी ब्राहम्ण। तुम अपने को हिन्दु नही कहलावेंगें। तुम्हारी बुधी मे है कि हम तो आदि सनातन देवी देवता धर्म के थे। अव भी है सिर्फ पतित बन गये है। सतोप्रधान से सतो रजो तमो होते गये है। तुम अभी समझते हो किहम आदि सनातन देवीदेवताधर्म के है। बहुत पवित्र थे। अब पतित बन गये है। तुमने ही बाप से वर्सा लिया था पवित्र दुनियां का मालिक बनने का। समझते हो कि हम पहले-2 पवित्र गृहस्थ धर्म के थे। अभी ड्रामा के प्लान अनुसार रावण राज्य मे हम पतित प्रवृती मांग के बन पडे है। तुम ही पुकारते हो हमको पवित्र पावन, सुखधाम मे ले जाओं। कल की ही तो बात है। कल तुम पवित्र थे। आज अपवित्र बन कर पुकारते हो। आत्मा पतित हो गई है। आत्मा पुकारती है कि बाबा आकर फिर से हमको पावन बनाओं। बाप कहते है अभी यह अन्तिम जन्म [illegible] पवित्र बनो।

फिर ता: 2 [illegible]